उलझी लट् सुलझाओ रे मोहन

उलझी लट् सुलझाओ रे मोहन
मेरे हाथों में मेहंदी लगी...

नींद में गिर गई कानो की बाली
ज़रा ढूंढ उसे पहनाओ रे मोहन...
मेरे हाथों में मेहंदी लगी..
उलझी लट् सुलझाओ रे मोहन...

राह में गिर गया बाजूबन्द सोहना
ढूंढ कर उसे पहनाओ रे मोहन मेरे हाथों में मेहंदी लगी...
उलझी लट सुलझाओ रे मोहन...
नींद में गिर गई पाँव की पैंजनी
ढूंढ उसे पहनाओ रे मोहन मेरे हाथो में मेहंदी रची

प्रेषक :-
प्रफुल्ल भाउ
8269753380

Source:
https://www.bharattemples.com/ulji-lt-suljaao-re-mohan-mere-hatho-me-mehndi-lagi/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw